

संथान

15 अगस्त 2023



सीएसआईआर
CSIR
भारत का नवाचार इंजन
The Innovation Engine of India

स्टाफ क्लब
सीएसआईआर- हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान
पालमपुर, हिमाचल प्रदेश, भारत



उज्ज्वल भविष्य का नवोन्मेष हब
Innovation Hub for Better Tomorrow

मंथन

स्टाफ क्लब, सीएसआईआर.- हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान,
पालमपुर

वर्ष 17

अंक 2

15 अगस्त, 2023

आमुख

स्टाफ क्लब की पत्रिका "मंथन" 2023 का दूसरा अंक आपके समकक्ष प्रस्तुत है। आपके अन्दर विद्यमान वे प्रतिभायें, जिन्हें आप बोल कर या अन्य किसी रूप में व्यक्त नहीं कर सकते, उन्हें मंथन के माध्यम से लघुलेख, कथा, कलाकृति, रेखाचित्र, कविता या अन्य किसी भी रूप में व्यक्त कर सकते हैं तथा छिपी प्रतिभा को निखार सकते हैं।

"मंथन की भावना है-भावनाओं का मंथन"

स्टाफ क्लब के सभी सदस्यों एवं उनके परिजनों से निवेदन है, कि वे मंथन के आगामी अंकों के लिए भी प्रविष्टियां देते रहें, ताकि मंथन के आने वाले अंक समय से प्रकाशित किया जा सके।

इस अंक में प्रविष्टियां देने एवं सहयोग करने वालों का स्टाफ क्लब की ओर से धन्यवाद।

संपादक: अरुण कुमार

संकलन: सौरभ शर्मा

विषय सूची

क्रम संख्या	शीर्षक	लेखक	पृष्ठ संख्या
1.	मेरा भारत	वामिका पांडे	04
2.	सफलता	अवनेश कुमारी	05
3.	मैं लद्दाख बोल रहा हूँ	सहदेव चौधरी	06
4.	Time	उमाक्षी	07
5.	मेरे प्यारे पापा	वत्सला	08
6.	जिंदगी	अनिल कुमार	09
7.	The Nation First, Always First	अनुष्का चावला	10
8.	Social Impact of Artificial Intelligence	मीनाक्षी	12
9.	ChatGPT: Applications, benefits and limitations	मीनाक्षी रावत, किरण देवी और रोहित जोशी	18

हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान के परिवार के बच्चों की कृतियाँ

अवंतिका चावला	20
रिदम स्याल	21
असकिनी	22
दीप्तांशु गाइन	23
अंगद सिंह	24
देवांगना गाइन	25
अनिल कुमार	26
प्रगन्य गौतम	27
आकर्ष पांडे	28
हार्मनी स्याल	29
आन्या सिंह	30
अंगद सिंह	31
साहिल कुमार	32
प्रिशा	33
प्रगन्य गौतम	34
आन्या सिंह	35
हिमानी जोशी	36
प्रिशा	37

HAPPY INDEPENDENCE DAY 15 AUGUST 2023

मेरा भारत

भारत देश है हमको प्यारा,
सब देशों से है ये न्यारा,
हिंदु, मुस्लिम, सिख, इसाई,
ये सब रहते मिलकर भाई,
यह है त्योहारों का देश,
यहाँ हैं लोगों के भिन्न-भिन्न भाषा और परिवेश,
नदियाँ करती हैं इसका श्रिंगार
औषधियों से भरा हिमालय
रक्षक की तरह खड़ा हिमालय
भारत देश है हमारा अभिमान
हम सब करते हैं भारत का सम्मान।

वामिका पांडे

HAPPY INDEPENDENCE DAY 15 AUGUST 2023

सफलता

अगर तुम्हें जाना ही है तो थोड़ी देर के लिए जाओ
याद रखें कि पहला कदम एक मील की कठिन यात्रा है।

यह जानने के लिए कि जीवन में क्या सबक छिपा है,
आपको हर दरवाज़ा खोलने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कुछ नया अनुभव करने से न डरें
क्योंकि प्रत्येक अनुभव आपके लिए लाभकारी होगा।

अपना जीवन कभी भी अतीत में मत जियो
हर दिन का आनंद ऐसे लें जैसे कि यह आपका आखिरी दिन हो।

रास्ते में आप गलतियाँ करेंगे
उनसे सीखें, और आप ठीक हो जायेंगे।

अपने लक्ष्य ऊंचे निर्धारित करें और उनके लिए प्रयास करें
जब तक आप प्रयास करेंगे, आपकी कभी निंदा नहीं होगी।

दयालु बनें और जिन लोगों से आप मिलते हैं उनका सम्मान करें
क्योंकि वे ही जीवन को पूर्ण बनाने वाले हो सकते हैं।

आप जो कुछ भी करते हैं उसमें ईमानदार रहें
और दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसा आप चाहते हैं कि वे आपके साथ करें।

आप जो भी करें, सुनिश्चित करें कि आप संतुष्ट हैं
आखिरी चीज़ जो आप चाहते हैं वह है नाराज़ होना।

इसलिए अगर आपको जाना ही है तो थोड़ी देर के लिए जाएं
और जब लौटें तो मुस्कराहट के साथ लौटें।

अवनेश कुमारी

HAPPY INDEPENDENCE DAY 15 AUGUST 2023

मैं लद्दाख बोल रहा हूँ

आँचल में खिलते-बुझते,
इतिहासों को तोल रहा हूँ।
मैं लद्दाख बोल रहा हूँ।

ना जानें कब से,
खड़ा हूँ इस भारत भू पर,
ना जानें कब तक खड़ा रहूँगा,
आखिर कब तक अपनी जिद पर
अड़ा रहूँगा।

इस धरती पर हुए कई हैं,
धीर, वीर, गंभीर।
पर भारत की माटी से,
निकले हैं सबसे अद्भुत वीर।

जब भी आवश्यक होगा,
मैं स्वयं रूप धरता हूँ।
इस भूमि की रक्षा को,
मैं स्वयं रुद्र, मैं स्वयं काल,
बना फिरता हूँ।

खण्ड-खण्ड की इस अखण्ड भू-धरा पर,
जब तक अस्तित्व है मेरा।
हे भारत के कर्मवीर,
अमर अस्तित्व रहेगा तेरा।

आँचल में खिलते-बुझते,
मैं इतिहासों को तोल रहा हूँ,
मैं लद्दाख बोल रहा हूँ।
मैं लद्दाख बोल रहा हूँ।



सहदेव चौधरी

HAPPY INDEPENDENCE DAY 15 AUGUST 2023

TIME

Time is a beautiful person,
with some wings on his feet.

It is sometime fresh,
But most of the time, it has heat.

You can't catch it,
Time flew fast.
Once it left,
The feeling won't last.

Everything in this world,
is on time.

The train of time,
is short and shine,
Beautifully converted into a person,
but mostly, it is on the run.

उमाक्षी

HAPPY INDEPENDENCE DAY 15 AUGUST 2023

मेरे प्यारे पापा

पापा एक ऐसा शब्द है, जिसमें सारी दुनिया समाती है,
इसके नाम लेने से ही, सारी दुनिया रौशन हो जाती है।

जलते हैं धूप में, ये सुबह से लेके शाम तक,
मिलता नहीं पूरे दिन में इनको, दो पल का आराम तक।

फिर भी घर आकर, हमारे साथ खेलते हैं,
पूरे दिन की थकान के बाद भी, हमारा सरदर्द झेलते हैं।

करते हैं हमसे प्यार, मगर दिखाते नहीं,
लेकिन गुस्से को अपने, कभी छुपाते नहीं।

खुश देख हमें, अपने चेहरे पर मुस्कान ले आते हैं,
रोता देख हमें, खुद उदास हो जाते हैं।

अपना टुकड़ा काट कर हमें पूरा करते हैं।
ये वो हैं, जो हर मुश्किल ठीक करते हैं।

वत्सला

HAPPY INDEPENDENCE DAY 15 AUGUST 2023

जिंदगी

बुझी बुझी सी जिंदगी में, जला के एक दियासलाई
चला था मैं ढूंढने किसे, कोई हाथ में मशाल लिए।

आए जो कोई सामने, रोशन करे एक चिंगारी,
जिंदादिली की मिसाल बने, एक इशारा जो दे मुझे।

लगे तो अपना कोई, कहूं तो सीना ठोक के,
देख है मेरा कोई, सही को जो सही, गलत को है गलत कहे।

कोई तो ऐसा चाहिए, जो ना समझे हर कोई,
अकेले ही तो क्या हुआ, एहसास उसके जगा दें।

चले साथ तो काफिला लगे, कहासुनी के दौर में,
कुछ करके जब कोई गुजरे, लगे रेगिस्तान की बारिश।

लगे डूबते को एक किनारा, खुदा दिखाए एक इशारा मुझे,
चलूं जरा फिर ढूंढने किसे, जला के एक दियासलाई,
करूं रोशन चिराग कोई, बनाऊं एक तस्वीर कोई।

अनिल कुमार

HAPPY INDEPENDENCE DAY 15 AUGUST 2023

The Nation First, Always First

A Journey through our Nations Independence Struggle & Bridging it to link today's scenario

The Nation First, Always First is our national motto which was originally given by Mahatma Gandhi, Father of Nation. A country like India is an example of the nation first. It is a great country that has taught the world so much about human rights and culture, since ages.

15th of August honour's our freedom fighters, the history of our country, it's culture, and the nation's achievements as a whole. India's freedom struggle has always been an inspiration to the world at it was the most non-violent campaign in the world. Independence day marks the end of British rule in 1947 and the establishment of a free and Independent Indian nation. It also marks the anniversary of the partition the subcontinent to countries: India and Pakistan, which occurred at midnights of August 14-15, 1947 and would always remain a bad part of our history.

British rule in India began in 1757 following the British victory in the Battle of Plassey. The East India company began exercising their control over the entire country. The East India company ruled India for hundred years, until it was replaced by direct British rule (British Raj). The Indian independence movement was a series of historic events lasted from 1857 to 1947. The movement took 90 years to gain independence. Indian Mutiny (Sepoy mutiny) was the first spark of big fire taking place for independence. Late 19th century witnessed the emergence of many political organizations of British India. Indian National Congress was the prominent one under the leaders like Mahatma Gandhi, Jawaharlal Nehru, Subhas Chandra Bose and Sardar Vallabhbhai Patel.

Swadeshi movement by Mahatma Gandhi, the Ghadar movement by Har Dyal, Champaran movement in Bihar, Satyagraha movements, Non cooperation movement, Civil disobedience movement and Dandi March (Salt March) forced upon the British, the realization that their Raj would not last forever. In 1946, the Labour government, exchequer of Britain thought of ending their rule over India because of their capital loss during world war II .

On 14 August 1947, at midnight India got independence and was concluded by the Jawaharlal Nehru speech '**Tryst with destiny**' saying- "***At the stroke of midnight hour, when the world sleeps, India will awake to life and freedom***", hoisting the Indian National Flag at the Lahori Gate of Red Fort, Delhi.

And now the time comes when we shall redeem our Pledge, not wholly or in full measure, but very substantially. Let everyday be National Unity Day and we make remember the pledge "I solemnly pledge that I dedicate myself to preserve the unity, integrity and security of the nation and also strive hard to spread this message among my fellow countrymen. I take this pledge in the spirit of unification of my country

which was made possible by the vision and actions of Late Sardar Vallabhbhai Patel. I also solemnly resolve to make my own contribution to ensure internal security of my country”.

As a citizen of India, we must respect it’s constitution, ideals, institutions, national flag and the national anthem. We must cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom. We must endeavour to protect the power, unity, and integrity of country, at any costs. We Should take responsibility for the environment and take care of the forest and wildlife and not unnecessarily waste the rich resources of our country.

To be a Responsible citizen we should help our community and spread harmony all around.

Jai Hind!

(With inputs from various online sources and the Rashtiya Ekta Diwas Pledge)

अनुष्का चावला

Social Impact of Artificial Intelligence

Artificial intelligence (AI) is increasingly becoming a part of our lives, from the personal assistants we use on our smartphones to the driverless cars being developed by major automakers. But as AI begins to enter every aspect of our lives, it is important to consider the potential social impact of this technology. There are a number of potential benefits of AI, such as increased efficiency and productivity, but there are also potential risks, such as job loss and increased inequality. It is important to consider both the positive and negative potential impacts of AI as we continue to develop this technology.

One of the potential positive impacts of AI is increased efficiency and productivity. By automating tasks that are currently performed by humans, AI has the potential to free up time for people to focus on other tasks. For example, imagine a future where your car drives itself and you no longer have to waste time commuting. This would give you more time to spend with family, pursue hobbies, or simply relax.

AI can also help us to make better decisions by providing us with more and better information. For example, imagine a future where your doctor has access to your complete medical history, as well as the medical histories of millions of other people, and can use this information to make better decisions about your treatment.

AI can also help us to automate dangerous or difficult tasks. For example, imagine a future where dangerous jobs, such as mining, are performed by robots instead of humans. This would greatly reduce the risk of injury or death for workers in these jobs.

Negative Impacts While there are potential positive impacts of AI, there are also potential negative impacts. One of the biggest concerns is job loss. As AI begins to automate more and more tasks, there will be fewer jobs available for humans. This could lead to increased unemployment and poverty, as well as increased inequality between those who have the skills to work with AI and those who do not. Another concern is that AI could be used to control or manipulate people. For example, imagine

a future where your boss is able to track everything you do, including the websites you visit, the people you talk to, and the things you buy. This could lead to a loss of privacy and increased surveillance of individuals. AI also has the potential to create new weapons and increase the risk of warfare. For example, imagine a future where robots are used in combat. This could lead to more casualties and destruction, as well as an increased risk of nuclear war.

AI is a rapidly developing technology that has the potential to impact every aspect of our lives. It is important to consider both the positive and negative potential impacts of AI as we continue to develop this technology.

THE SOCIAL IMPACT OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE (AI) IN THE LIFE OF STUDENTS

The social impact of Artificial Intelligence (AI) in the life of students is evident in

many ways. One way AI has impacted students is in terms of the way they interact with technology. Students are now able to use AI-powered chat bots to ask questions and get help with their studies. This has made it easier for them to get the information they need without having to rely on human interaction. In addition, AI has also helped students to become more independent learners. This is because they are able to use online learning tools that can provide them with personalized feedback and recommendations. This has helped to improve their learning experience and has made them more self-sufficient. Another way AI has impacted students is in terms of the way

they are assessed. AI-based assessment tools are now being used by educators to provide more accurate and objective feedback to students. This has helped to improve the quality of feedback and has made it easier for students to identify areas where they need to improve. Finally, AI has also had an impact on the way students socialize. Social media platforms that use AI-based algorithms are now able to provide students with more personalized recommendations of people and content to connect with. This has made it easier for students to find and connect with like-minded individuals and has helped to create a more positive social environment for them. GPT3 is a text generation tool that can be used by students to help them create academic reports. The tool can be used to create reports on a variety of topics, including research papers, essays, and speeches. GPT3 can be used to create reports in a variety of formats, including APA, MLA, and Chicago. GPT3 can also be used to create reports in a variety of languages, including English, Spanish, and French. While a great tool, students can also exploit this feature for academic dishonesty. Reports created with GPT3 can easily be plagiarized and passed off as the student's own work. Text written by GPT3 is almost indistinguishable to the naked eye from human-written text. This makes it very difficult for professors to catch plagiarism. On the other hand, GPT3 can be used constructively by students who are struggling with writing reports. The tool can be used to create a report outline or template, which the student can then fill in with their own research and writing. This can be a great way for students to get started on a report and to get a feel for the structure and format of a report. In conclusion, GPT3 is a powerful text generation tool that can be used for both good and bad. Students should use the tool responsibly and only for constructive purposes. Some believe that AI will revolutionize education, while others are concerned about its potential to widen the achievement gap between students. There are many potential benefits of AI in education. AI can help to individualize instruction and provide students with targeted feedback. AI can also help to identify students at risk of dropping out or not achieving their potential. However, there are also some risks associated with AI in education. If not used properly, AI could reinforce existing inequalities in education. For example, if AI is used to create personalized learning experiences, students from more affluent backgrounds may have an advantage over those from less affluent backgrounds. Overall, the impact of AI on education is likely to be positive, but it is important to ensure that AI is used in a way that benefits all students.

SOCIAL IMPACT OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE ON TEACHERS

Today's classrooms are too big, and there are too many teaching and non-teaching tasks to be completed. In such cases, AI can offer assistance to teachers. Below, we'll go over one of the situations when artificial intelligence may really assist teachers.

The ability to write well is essential for academic and professional success. Less than one-third of high school seniors in the US, according to a study by the National Assessment of Educational Progress, are proficient writers by the time they graduate from high school. Less than 15% of low-income black and Hispanic pupils are deemed proficient writers, which makes the situation worse. Giving kids additional chances to write and get feedback on their work is one method to help them become better writers. However, giving students extra writing assignments makes it more difficult for professors to provide timely feedback. Automated writing evaluation (AWE) systems, which can assess student work and offer feedback independently, are one possible remedy. The Bill and Melinda Gates Foundation is likewise pushing for the development of an increasing number of open-source AWE-related algorithms. With the use of AI tools, educational settings could be made accessible to all pupils, including those who are deaf, blind, or speak other languages. Students receive real-time subtitles for everything the teacher says thanks to a PowerPoint plugin like Presentation Translator. This creates additional learning opportunities for kids who require a different level of instruction, desire to learn a subject that is not offered at their school or are absent due to illness. Additionally, it broadens the information base that the teacher is willing to impart. The barriers between conventional grade levels and schools can be broken down by AI. To be clear, artificial intelligence in the classroom is supposed to support teachers rather than replace them. AI can support a teacher's efforts in a classroom to pinpoint some of the areas for improvement. AI will be able to tell, for instance, when some pupils miss out on particular questions. By warning the teachers, they are made aware that the material needs to be taught again because the students still don't understand it.

SOCIAL IMPACT ON HEALTHCARE

One of the sectors where the use of AI is expanding at a tremendous rate is the healthcare sector. AI now offers medical professionals crucial assistance and resources for reducing complexity, optimizing workflows, and changing job loads. Another way to put it is that AI is transforming the medical field by helping clinicians diagnose illnesses, identify their causes, recommend treatments, carry out minimally invasive surgery, and determine whether the condition is life-threatening. The medical community is currently under enormous pressure to fulfill rising patient expectations, the challenges of a worldwide pandemic, and the difficulties of ever-complicated administrative and compliance regulations. The amount of work being done today is far greater than it was in the past, especially considering the amount of documentation that practitioners must manage on a daily basis. Their ability to provide patient care is being restricted, and their potential career influence is being reduced. This is where AI can intervene and make a difference.

These are some of the ways in which the social impacts of AI in healthcare can be felt:

1. Practitioner support and well-being:

The demand to provide great care while managing exceptional workloads is constant for practitioners. AI algorithms have been created to reduce fatigue-related mistakes. AI is always awake. It never stops delving into the information and probing into the pictures. The medical field can benefit from an additional safety net that supports their workloads and daily lives more effectively.

2. Rapid diagnosis and urgent detection:

In a variety of applications, AI has advanced significantly, but stroke detection stands out. When it comes to patient outcomes, algorithms' capacity to accelerate the time to treatment or to identify areas of possible risk to doctors can make all the difference. The social impact of artificial intelligence in healthcare is outstanding in this case since a patient may receive prompt, life-saving therapy before suffering the full effects of a stroke or at a pace that lessens those effects, leading to a dramatically improved quality of life.

3. Enhancing radiological abilities:

Radiologists need help, and AI technologies have been on the market long enough to demonstrate their worth in this regard. These AI solutions are gaining traction on a global scale as a result of their demonstrated added value. They are created to optimize processes, continuously monitor staggering image volumes, and alert practitioners of potential patient concerns. The development of wearable technology and other comparable intelligent solutions that interface with medical infrastructure and practitioner systems will have a social influence on healthcare for patients. Wearables are a smart move in the direction of controlling health event response and event monitoring. AI may be used to monitor physiological reactions outside of the hospital and is currently used in several wearable technologies. This greatly increases the accessibility of rapid detection and response for both practitioners and patients, which can greatly enhance outcomes.

USE OF AI FOR ASYMPTOMATIC COVID-19 DETECTION:

AI helped millions during the covid-19 pandemic. One case study of the usage of AI during the pandemic is mentioned below. By definition, Covid-19 infected individuals with no visible physical signs are said to be asymptomatic. As a result, they are less inclined to request a virus test and may unintentionally infect others. However, it appears that even people who are asymptomatic may not be completely immune to

the virus's effects. According to recent findings from MIT, persons who are asymptomatic may cough differently from healthy people. The human ear cannot distinguish between these variations. But it turns out that artificial intelligence can recognize

them. Tens of thousands of coughing samples as well as spoken word samples were used by the researchers to train the AI model. When they fed the model fresh cough recordings, it correctly identified 98.5 percent of coughs from individuals with Covid-19, including 100 percent of coughs from asymptomatics – persons who said they had no symptoms but had tested positive for the virus.

SOCIAL IMPACT OF AI ON WORKING PROFESSIONALS

The impact of artificial intelligence on the working lives of professionals will be both significant and far-reaching. Here are some examples: Machines will increasingly take on routine tasks currently carried out by human workers, such as data entry, analysis and customer service. This could lead to increased efficiency and cost savings for businesses, but also result in job losses in certain sectors. AI-powered tools will augment the abilities of human workers, giving them access to unprecedented levels of information and helping them to make better decisions. For instance, AI-based chatbots could be used to provide customers with instant answers to their queries, or predictive analytics could be used to help salespeople identify potential customers and upsell products. Automated systems powered by artificial intelligence will change the way work is structured and organized, potentially leading to more flexible working arrangements such as remote working or shorter hours. The increasing use of AI in the workplace will require employees to develop new skills, such as data literacy and computer programming. Those who are unable to adapt may find themselves at a disadvantage.

SOCIAL IMPACT OF AI ON CREATIVE FIELDS

As AI technology continues to develop, it will likely have a profound impact on the creative field, both in terms of the creation of new content and the distribution of existing content. In terms of content creation, AI is already being used to generate new works of art. For example, the AI-created painting “The Next Rembrandt” was generated by analyzing over Rembrandt’s paintings and then creating a new painting in his style. Similarly, AI has been used to generate new pieces of music, and it is likely that AI will increasingly be used to generate new works of literature, film, and other forms of art. AI technology can be used to personalize content recommendations, making it easier for people to find content that they will enjoy. AI can also be used to generate targeted advertising, which is likely to become increasingly effective as AI technology continues to develop. Overall, the impact of AI on the creative field is likely to be profound. There are a number of ways in which AI is being used to create music. One popular method is to use algorithms to generate new melodies or chord progressions. This can be done by training a machine learning algorithm on a dataset of existing music. The algorithm can then generate new music that is similar to the training data. Other methods of using AI to create music include using generative models to create new sounds or rhythms, or using AI to compose entire songs. The social impact of AI generated music is potentially huge. This technology could democratize music creation, making it possible for anyone to create complex and beautiful music. If AI can create songs that are indistinguishable from those created by humans, then there is a

risk that AI could replace human musicians altogether. This could lead to mass unemployment in the music industry, and a dramatic change in the way music is created and consumed. There are also ethical concerns about the use of AI to create music. If AI algorithms are used to generate new music, who will own the rights to this music? And if AI creates songs that are similar to existing songs, is this a form of plagiarism? These are just some of the potential social impacts of AI generated music. As this technology develops, it is important to consider the implications of its use, and to ensure that its development is ethically responsible. The Social Impact of AI is far-reaching and complex. As we become increasingly reliant on technology, it is important to consider the implications that this may have on our social interactions and relationships. While there are many potential benefits to be gained from the use of AI, such as increased efficiency and productivity, there are also risks associated with its use. These include the potential for job loss and displacement, as well as privacy concerns. It is clear that further research is needed in order to fully understand the social impact of AI and its implications for society.

मीनाक्षी

ChatGPT: Applications, benefits and limitations

On November last year, an American artificial intelligence (AI) research laboratory, OpenAI has launched a software application of chatbot termed as ChatGPT (Chat Generative Pre-Trained Transformer). It is a cloud computing-based platform which allows for the creation of dialogues that are human-like by understanding the context of a debate and delivering appropriate responses. ChatGPT is built up on a deep learning model called GPT-3.5 and GPT-4 that was trained on millions of chat dataset from various sources. ChatGPT is configured to allow a computer to build natural language conversation entirely autonomously using supervised machine learning and reinforcement learning methodologies. The strength of pre-trained deep learning models is combined with a programmability layer in the technology to establish a strong base for building natural language conversations. ChatGPT has currently 100 million users with value of USD 30 billion.

Applications and benefits of ChatGPT

- 1. Increased Efficiency:** ChatGPT can improve productivity and also generate responses quickly, enabling faster dialogues by automating conversations and save time and resources.
- 2. Greater accuracy:** ChatGPT can generate responses that are more accurate than manual approaches. This is due to the fact that it has been trained on a sizable sample of conversational data, enabling it to comprehend conversational context and produce responses that are appropriate. ChatGPT Improved Accuracy (CGA) model outperforms other well-known natural language processing (NLP) system in terms of accuracy, coherence, adaptability and readability.
- 3. Cost savings:** ChatGPT significantly decrease the expenses for companies that depend on service chatbots. ChatGPT has a capacity to produce real-time, human-like responses, which may decrease the requirement for actual customer support employees. Furthermore, ChatGPT has the capacity to learn and develop over time, minimizing the demand for costly manual upgrades to chatbot responses. Due to these capabilities, ChatGPT is a desirable option for companies wishing to enhance the effectiveness and efficiency of their customer service.
- 4. Artificial Intelligence:** It's applications in artificial intelligence include language translation, image recognition, and predictive modeling. It can also help facilitate secure and decentralized cryptocurrency transactions. In cybersecurity, ChatGPT is useful for detecting phishing attempts, identifying potential security threats, and analysing malware. ChatGPT's ability to handle large amounts of data can help improve product quality, reduce costs, and enable better equipment maintenance. Complex automotive, robotics, aerospace and energy systems can also benefit from ChatGPT's data-driven analytics and decision-making capabilities. Overall, ChatGPT's advanced language processing and analysis capabilities make it a valuable tool in many science and technology applications.

Limitations of ChatGPT

Although ChatGPT is a powerful language generation model, but it has some limitations as below:

1. The major limitation is that, it can only generate text, based on input given to it, and it has no access to outside information or the ability to browse the Internet. This means that it cannot provide accurate or up-to-date information on many topics and cannot generate answers to complex or unique questions.
2. Similarly, like any technology, ChatGPT may experience technical issues such as glitches, server downtime, or compatibility issues with certain software or data formats, which can disrupt teaching and research processes.
3. There are ethical issues associated with the use of ChatGPT in research, such as privacy issues or issues about data, control, and consent. In addition, students or researchers can misuse ChatGPT by illegally using the unpublished data can create plagiarism, causing data breach and other IP related issues.
4. It can be difficult to understand how ChatGPT provide answers, which can make it even difficult to validate conclusions or identify errors or biases. While ChatGPT can handle many types of tasks, it may not be able to handle more complex tasks or understand the context of certain tasks. This may limit the usefulness of ChatGPT in certain search contexts.

मीनाक्षी रावत, किरण देवी और रोहित जोशी

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



अवंतिका चावला

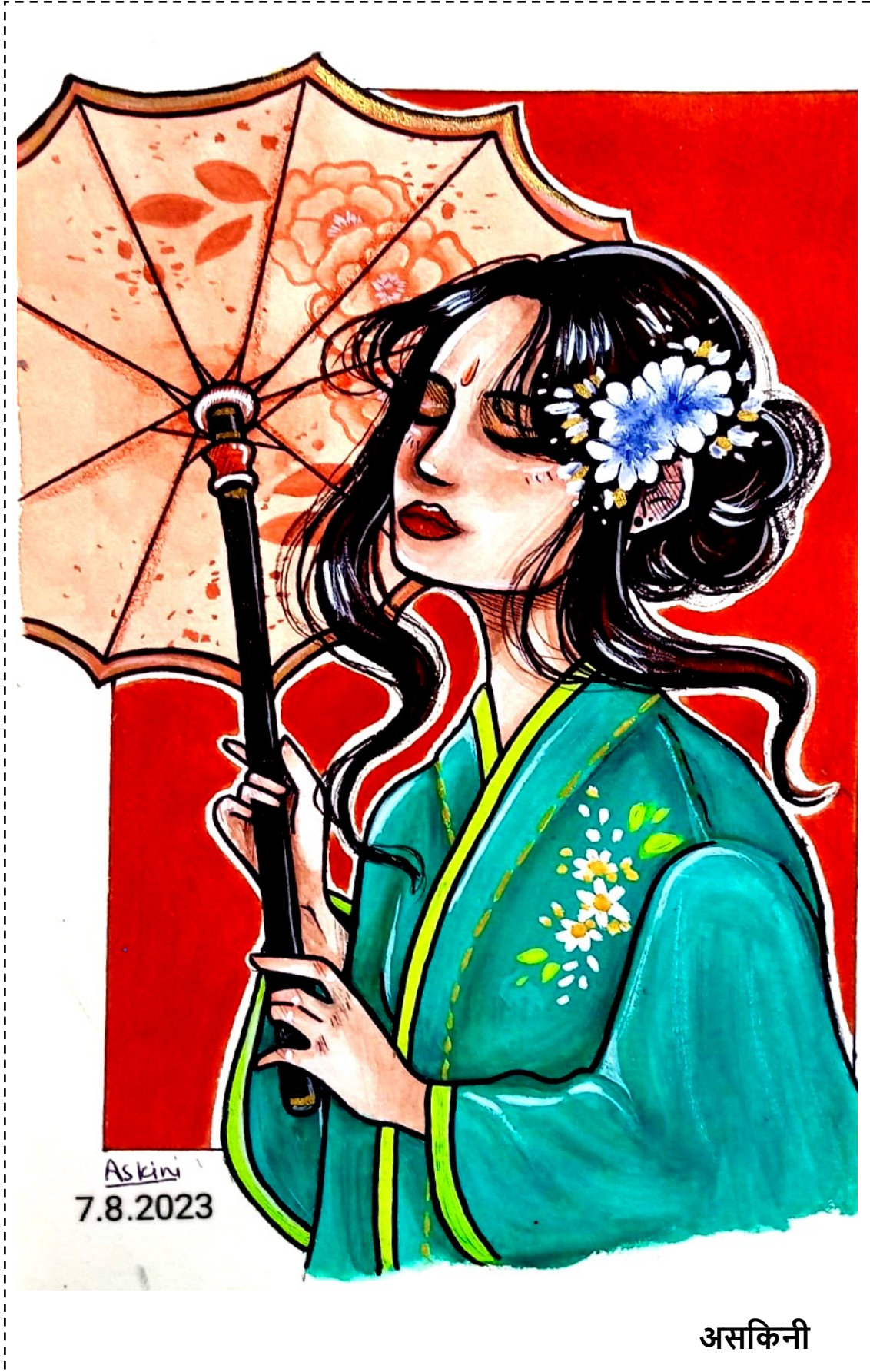
HAPPY INDEPENDENCE DAY

15 AUGUST 2023



रिदम स्याल

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



असकिनी

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



दीप्तांशु गाइन

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



अंगद सिंह

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



देवांगना गाइन

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



Success can come to you by courageous devotion to the task lying in front of you. (C.V. RAMAN)

अनिल कुमार

HAPPY INDEPENDENCE DAY

15 AUGUST 2023



प्रगन्य गौतम

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



आकर्ष पांडे

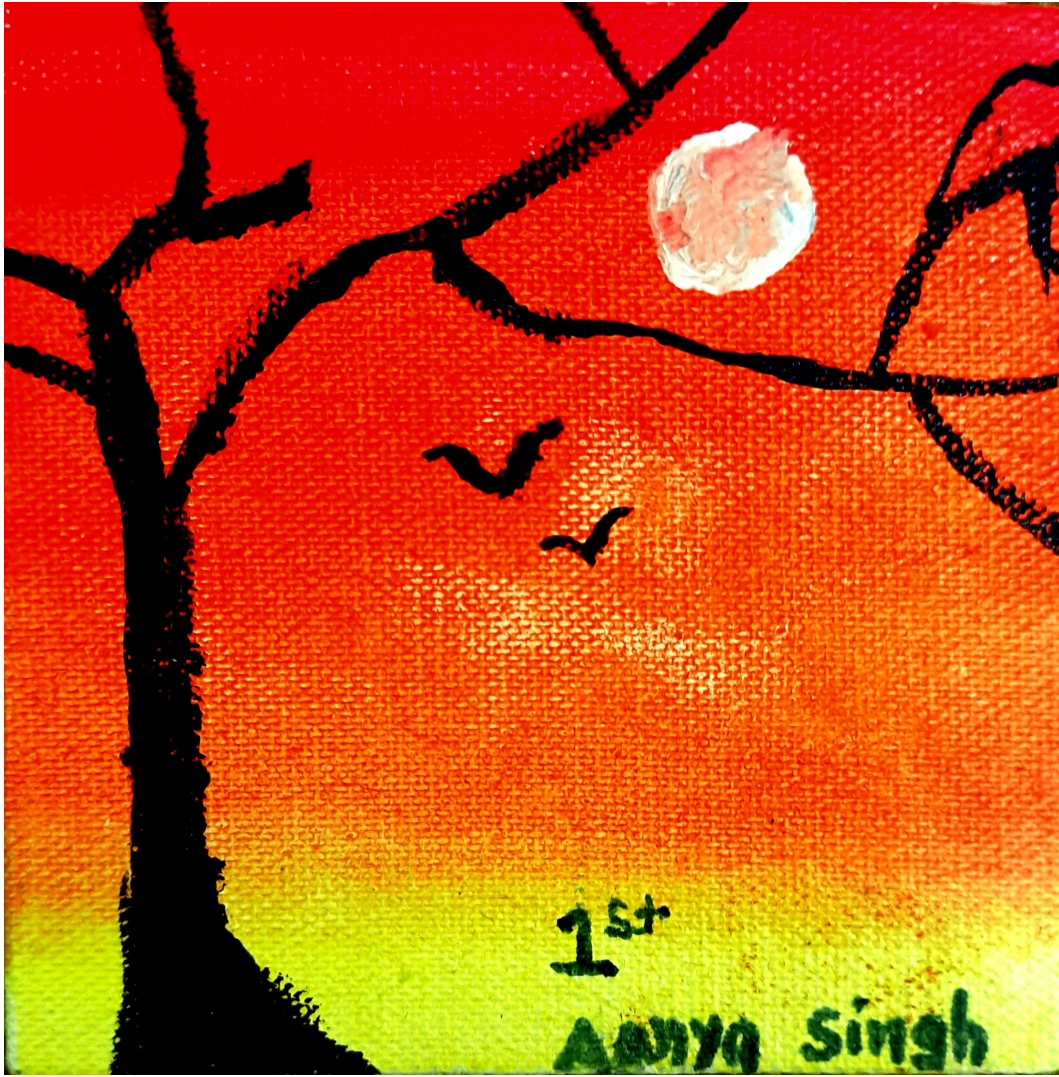
HAPPY INDEPENDENCE DAY

15 AUGUST 2023



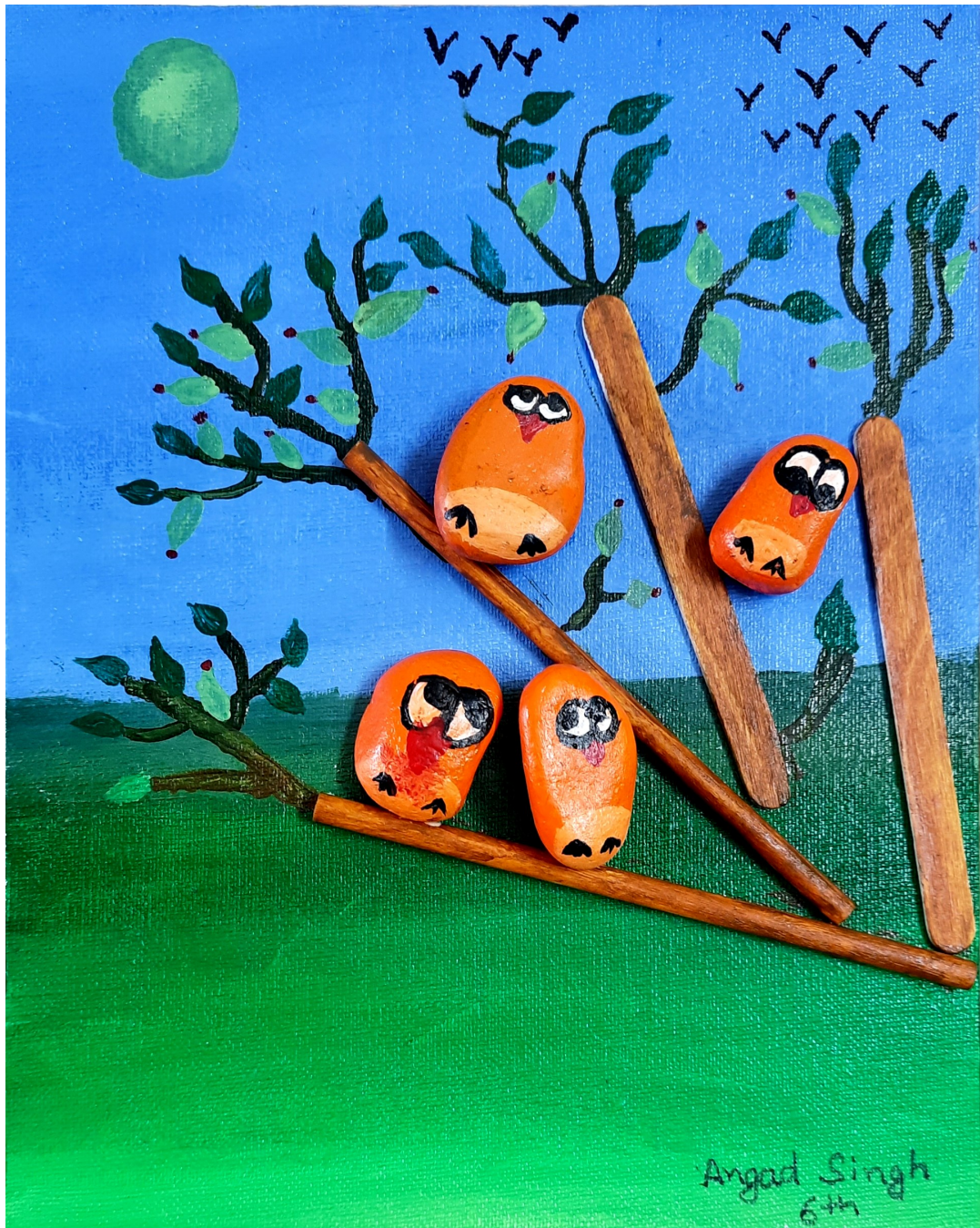
हार्मनी स्याल

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



आन्या सिंह

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



अंगद सिंह

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



साहिल कुमार

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



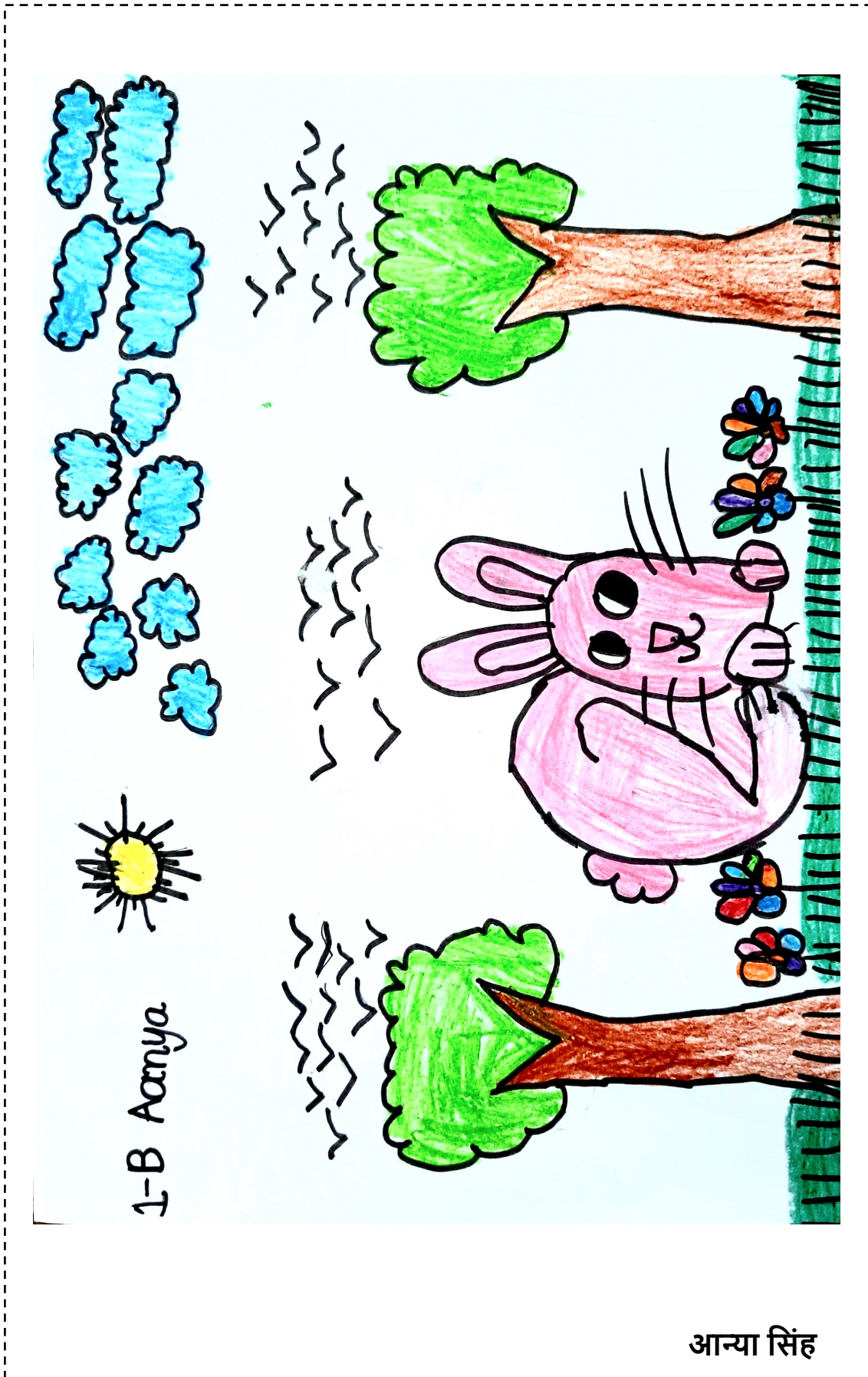
प्रिशा

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



प्रगन्य गौतम

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



HAPPY INDEPENDENCE DAY 15 AUGUST 2023



Scanned with OKEN Scanner



Scanned with OKEN Scanner

हिमानी जोशी

HAPPY INDEPENDENCE DAY
15 AUGUST 2023



प्रिशा



ए के गुप्ता
A K GUPTA

Information board with text and logos, partially obscured by a railing.